ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

*Research paper* © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

# "माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्रभाव का अध्ययन"

**शोधार्थी**

**प्रियंका पाल**

पी.एच.डी शोधार्थी

स्कूल ऑफ एजुकेशन, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग

**शोध निर्देशिका**

**प्रो. डॉ.संगीता शराफ**

प्राध्यापक

स्कूल ऑफ एजुकेशन, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग

**शोध सारांश**

शिक्षा का अर्थ होता है सीखना और सीखाना, सीखने का अर्थ शिक्षा प्राप्त करना, सीखाने का अर्थ शिक्षा प्रदान करना है, शिक्षा द्वारा व्यक्ति का बहुमुखी विकास होता है, जिस प्रकार प्रकाश पाकर,कमल का फूल खिल उठता है तथा सूर्य अस्त होने पर कुम्हला जाता है ठीक उसी प्रकार शिक्षा का प्रकाश पाकर व्यक्ति कमल की भांति खिल उठता है, तथा अशिक्षित होने पर अंधकार शोक,दरिद्रता तथा कष्ट में डूबे रहता है अर्थात् कहने का तात्पर्य यह है शिक्षा वह प्रकाश है,जिसके द्वारा बालक की समस्त शारीरिक,मानसिक,बौद्धिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों का विकास होता हैं। शिक्षा मानव प्रगति की और खुलने वाले मार्ग की कुंजी होता है शिक्षा शैक्षिक तथा सामाजिक में आजन्म सो चल रही एक प्रक्रिया है मानव जन्म से लेकर म्रत्यु तक जो कुछ सीखता है और अनुभव करता है वह ही शिक्षा है, जो बालक रूपी हीरे की बाह्य बुराइयों को दूर करके आंतरिक गुणों को जगमगा देती है। जिसके प्रकाश में बालक स्वयं अपने व्यक्तित्व का निर्माण करता है। कम्प्यूटर शिक्षा प्राप्त किये जाने पर विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा का भी विकास होता है तथा कप्यूटर शिक्षा एवं अंग्रेजी भाषा शिक्षा में विकास के साथ विद्यार्थियों की शैक्षिक अधिगम का विकास भी होता है जो की जीवन जीने में सहायता करती है |

**Keyword-** शैक्षिक अधिगम क्षमता = सीखने कि क्षमता

कम्प्यूटर की शिक्षा = कम्प्यूटर द्वारा शिक्षा

अंग्रेजी भाषा कौशल = अंग्रेजी भाषा की शिक्षा

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

*Research paper* © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

**प्रस्तावना**

शिक्षा एक सीखने सिखाने की प्रक्रिया है,शिक्षा मानव जीवन का आधार मानी जाती है, शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् किए गए कार्य व्यक्ति को नवीन अनुभव एवं नवीन ज्ञान प्रदान करता है शिक्षा को केवल विद्यालय में ही प्राप्त नहीं किया जा सकता अपितु शिक्षा हर एक वो इंसान जो हमें नवीन ज्ञान से परिचित कराता है। शिक्षा व्यक्तित्व का निर्माण भी करती है,और श्रृंगार भी करती है जन्म के समय बालक एक पशु के समान व्यवहार करता है,उस समय वह अपनी मूल प्रवृति से प्रेरित होकर कार्य करता है,शिक्षा उसकी इन प्रवृतियों का उचित मार्गदर्शन करके उसे परिपक्वता प्रदान करती है,उसके व्यवहार को उसके आचरण को उसके क्रियाकलापों को उचित और समाजपयोगी बनाती है। शिक्षा उसने रचनात्मक शक्ति का विकास करती है। शिक्षा के द्वारा वह केवल अपने वातावरण से अनुकूलन करने में ही समर्थ नहीं होता वरन वातावरण और प्रकृति पर विजय प्राप्त करने का भी प्रयत्न करता है। शिक्षा ही मानव को असत्य से सत्य की और अंधकार से प्रकाश की ओर अज्ञान से ज्ञान की और मृत्यु से अमरत्व की ओर जाने के लिये प्रेरित करती है तथा प्रोत्साहित करती है शिक्षा के कारण ही मानव आज सभ्यता के उस ऊँचे शिखर पर पहुच पाया है शिक्षा एक अनन्त प्यास है। जिसका संबंध केवल जीने की कला मात्र से नहीं है अपितु वह स्वयं जीवन के आदर्शो से जुड़ी हुई है न केवल व्यक्ति के संदर्भ में शिक्षा उपयोगी है और आवश्यक है। ये नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज की उन्नति और विकास भी शिक्षा पर ही आधारित है शिक्षा सामाजिक चेतना को जागृत करती है। सामाजिक धरोहर की रक्षा करती है तथा आगामी पीढ़ी का विकास करती है। शिक्षा का सीधा संबंध मानव जीवन से है प्राचीनकाल से ही विश्व में शिक्षा देने अथवा ग्रहण करने की प्रथा किसी न किसी रूप में प्रचलित रही है मनुष्य पहले से ही कुछ न कुछ सीखता आया है व्यक्ति के जीवन को शिक्षा जिस प्रकार प्रभावित

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

करती है, उसी प्रकार व्यक्ति का सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। इसी शिक्षा के द्वारा वह अपने आचार-विचार व्यवहार तथा रहन-सहन में परिवर्तन और संशोधन करता आया है।

शिक्षा का अर्थ ज्ञान ग्रहण करना है। महत्मा गांधी - शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक एवं मनुष्य के शरीर मस्तिष्क एवं आत्मा के सर्वोत्तम अंश की अभिव्यक्ति है। शिक्षा का अर्थ मनुष्य के मस्तिष्क को इस योग्य बनाना है कि वह शाश्वत सत्य की खोज कर सके तथा उसे अपना बना सके और उसकी अभिव्यक्ति कर सके। शिक्षा के माध्यम से ही विद्यार्थियों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व व मानसिक स्तर बढ़ता है। शिक्षा के माध्यम से ही उसमें कुशल जीवनयापन करने की क्षमता का विकास होता है। अतः यह कहना अन्यथा न होगा कि शिक्षा के द्वारा ही व्यक्तित्व व समाज एवं समाज से देश का विकास संभव है।

## संबंधित शोध साहित्य का अध्ययन

समस्या को कथन का रुप देकर शीर्षक में परिवर्तित किया जाता है जिसके माध्यम से अनुसंधानकर्ता शोध कार्य कि शुरुआत करता है, प्रस्तुत शोध अध्ययन का समस्या कथन निम्न है -

**1. जयमणि (1991)** कक्षा 11 के छात्रों के लिए भौतिकी में एक सीएपी पैकेज विकसित किया। प्रयोगात्मक समूह के छात्रों को सीएपी और नियंत्रण के माध्यम से निर्देश प्राप्त हुए है समूह के छात्रों को पारंपरिक पद्धति से पढ़ायाजाता था। प्रयोग के बाद यह पाया गया था कि प्रायोगिक समूह के छात्रों ने परीक्षण के बाद नियंत्रण समूह के छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। लिंग के संदर्भ में अंतर और निर्देश का माध्यम महत्वपूर्ण थे। भौतिकी में कक्षा 11 के छात्रों के लिए विकसित यह सीएपी पैकेज की प्रभावशीलता साबित हुई है ।

**2. सिंह और वर्मा (1991)** सीएपी की प्रभावशीलता विकसित की और उसकी उपलब्धियों के संदर्भ में अंग्रेजी भाषा के शिक्षण में पारंपरिक शिक्षण तथा पुरुष के

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

गणित के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन की दिशा और कम्प्युटर का उपयोग करने वाले छात्रों ने जिन्होंने पारंपरिक शिक्षण के माध्यम से गणित पढ़ाया की तुलना में काफी अधिक अंक प्राप्त किए है। कम्प्युटर ने गणित के प्रति काफी अधिक अनुकूल रवैया दिखाया है। गणित में उपलब्धि और परिवर्तनगणित के प्रति दृष्टिकोण जेंडर तथ्य से स्वतंत्र पाया गया है।

**3. रस्तोगी (1965)** द्वारा बौद्विक योग्यता एवं रुचि के मध्य सहसंबंध ज्ञात करने के लिये एक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु मेरठ एवं अलीगढ़ के इन्टरमीडियेट के 500 विद्यार्थियों का चयन किया गया। जिस पर कंप्यूटरिकृत शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा रीडिंग का परिक्षण किया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला गया कि अंग्रेजी भाषा रीडिंग एवं बौद्धिक योग्यता शैक्षिक उपलब्धि का मुख्य आधार है ।

**4.मेहता (1982)** ने हायर सेकेण्डरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा लेखन एवं अभिक्षमता के मध्य सहसंबंध ज्ञात करने के उद्देश्य से यह अध्ययन किया । जयपुर शहर के कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत 300 विद्यार्थियों का चयन किया गया । चटर्जी परीक्षण के द्वारा अंग्रेजी भाषा लेखन एवं मुकर्जी परीक्षण द्वारा वैज्ञानिक अभिक्षमता को मापित किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार अंग्रेजी भाषा लेखन एवं अभिक्षमता के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया ।

**5.कुमार शिवांश (2000)** ने रायपुर जिले के माध्यमिक विद्यालय में 300 विद्यार्थियों पर संचार कौशल को लेकर परिक्षण किया। आपके द्वारा लिए जाने वाले लगभग हर पाठ्यक्रम में आपको लिखित रूप में और साथ ही मौखिक रूप से और संभवतः कई अन्य तरीकों सेद्ध संवाद करने की आवश्यकता होगी। आपने जो कुछ सीखा है उसे संक्षिप्त रूप से संप्रेषित करने का आपका कौशल आपके पूरे अध्ययन के दौरान आपके ज्ञान का मूल्यांकन करने का एक केंद्रीय तरीका होगा। निष्कर्ष में उन्होंने पाया की विद्यार्थियों में संचार कौशल क्षमता में वृद्धि हुई है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

## अध्ययन का उद्देश्य

शोधकर्ता द्वारा किसी भी शोध कार्य का कोई ना कोई उद्देश्य लेकर ही पूर्ण किया है, बिना उद्देश्य के किया जाने वाला कार्य अर्थहीन होता है।

अतः प्रस्तुत शोध कार्य जे उद्देश्य निम्न है -

1. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का कम्प्यूटर शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का अध्ययन करना।
2. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का कम्प्यूटर शिक्षा तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का अध्ययन करना।

**परिकल्पना -** शोध कार्य के लिए परिकल्पना बहुत ही महत्वपूर्ण होती है परिकल्पना कि सहायता से शोधकर्ता को आकड़ो का संकलन करने में उचित दिशा मिलती है |

**परिकल्पना क्रमांक 1.** रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

**परिकल्पना क्रमांक 2.** भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

**विधि -** प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। क्योंकि प्रस्तुत शोध में ऑकड़ो को एकत्र करने के लिए इस विधि का उपयोग किया गया है। क्योंकि उसके प्रतिदर्श पूरे समष्टि में फैले हुये है।

**न्यादर्श** –

शोधकार्य में न्यादर्श की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं न्यादर्श शोध कार्य को आधार प्रदान करता है। अर्थात् शोध का आधार जितना मजबूत होगा शोधकार्य का

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

परिणाम उतना विश्वासनीय होगा। शोधकार्य के लिए न्यादर्श का चयन इस प्रकार किया जाता है कि सम्पूर्ण जनसंख्या का चयन एक इकाई के रूप में कर सकें।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में रायपुर,भिलाई जिले शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है

रायपुर जिले शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 50 विद्यार्थीयों तथा भिलाई जिले शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 50 विद्यार्थीयों का चयन किया गया | शोध हेतु कक्षा 8वी के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है |

**उपकरण का विवरण -**

| क्रमांक | उपकरण का नाम | निर्माणकर्ता |
|---|---|---|
| 1. | अधिगम क्षमता की मापनी | स्वनिर्मित |
| 2. | अंग्रेजी भाषा कौशल की मापनी | स्वनिर्मित |

**परिकल्पनाओं का सत्यापन:**

उपर्युक्त परिकल्पना क्रमांक 1 - रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा ।परिकल्पना क्रमांक $H_{01.1}$ के लिये इन दोनों चरों के बीच पियरसन सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी जिसे तालिका में दर्शाया गया है|

**तालिका क्रमांक 4.1**

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

**रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता के मध्य सहसंबंध गुणांक -**

| चर | Number | 'r' |
|---|---|---|
| अंग्रेजी भाषा कौशल | 100 | 0.370 (p<.01) |
| शैक्षिक अधिगम क्षमता | 100 | |

r(df=98) for p<.05 = 0.19 and for p<.01 = 0.25

तालिका में सहसंबंध गुणांक r का मान 0.370 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है । सहसंबंध गुणांक के अनुसार रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल तथा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं तथा इसका अर्थ यह हुआ कि रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल में प्रवीणता बढ़ने पर उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता में भी वृद्धि होती है ।

**रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का प्रकीर्ण आरेख**

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

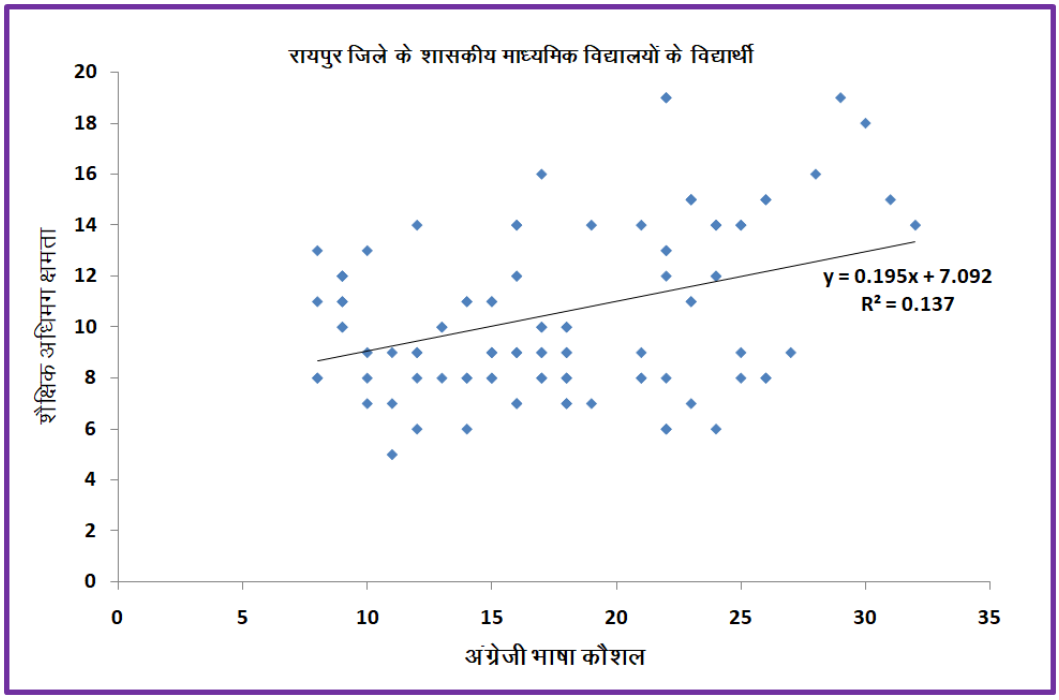


प्रकीर्ण आरेख 4.3 में ट्रेंड लाईन तथा $R^2 = 0.137$ है । इस प्रकार दोनों चरों अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्लॉट किये गये आंकड़ों में से 13.7% आंकड़े प्रतीपगमन रेखा से दूर नहीं है या उससे समीप हैं जो कि दोनों चरों के बीच धनात्मक किन्तु एक कमजोर सार्थक सहसंबंध को दर्शाता है ।

अतः तालिका 4.2 में दिये गये परिणाम के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक $H_{01.1}$- रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, **अस्वीकार की जाती है**

उपर्युक्त परिकल्पना क्रमांक 2-भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा । परिकल्पना क्रमांक 2 के लिये इन

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

दोनों चरों के बीच पियरसन सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी जिसे तालिका में दर्शाया गया है ।

**तालिका क्रमांक 1.2**

**भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता के मध्य सहसंबंध गुणांक**

| चर | Number | 'r' |
|---|---|---|
| अंग्रेजी भाषा कौशल | 100 | 0.487(p<.01) |
| शैक्षिक अधिगम क्षमता | 100 | |

r(df=98) for p<.05 = 0.19 and for p<.01 = 0.25

तालिका में सहसंबंध गुणांक r का मान 0.487 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है । सहसंबंध गुणांक के अनुसार भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल तथा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं तथा इसका अर्थ यह हुआ कि भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल में प्रवीणता बढ़ने पर उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता में भी वृद्धि होती है ।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
*Research paper* © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

## भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशलतथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का प्रकीर्ण आरेख




प्रकीर्ण आरेख में ट्रेंड लाईन तथा $R^2$ = 0.237 है । इस प्रकार दोनों चरों अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्लॉट किये गये आंकड़ों में से 23.7% आंकड़े प्रतीपगमन रेखा से दूर नहीं है या उससे समीप हैंजो कि दोनों चरों के बीच धनात्मक एवं सार्थक किन्तु कमजोर सहसंबंध को दर्शाता है ।

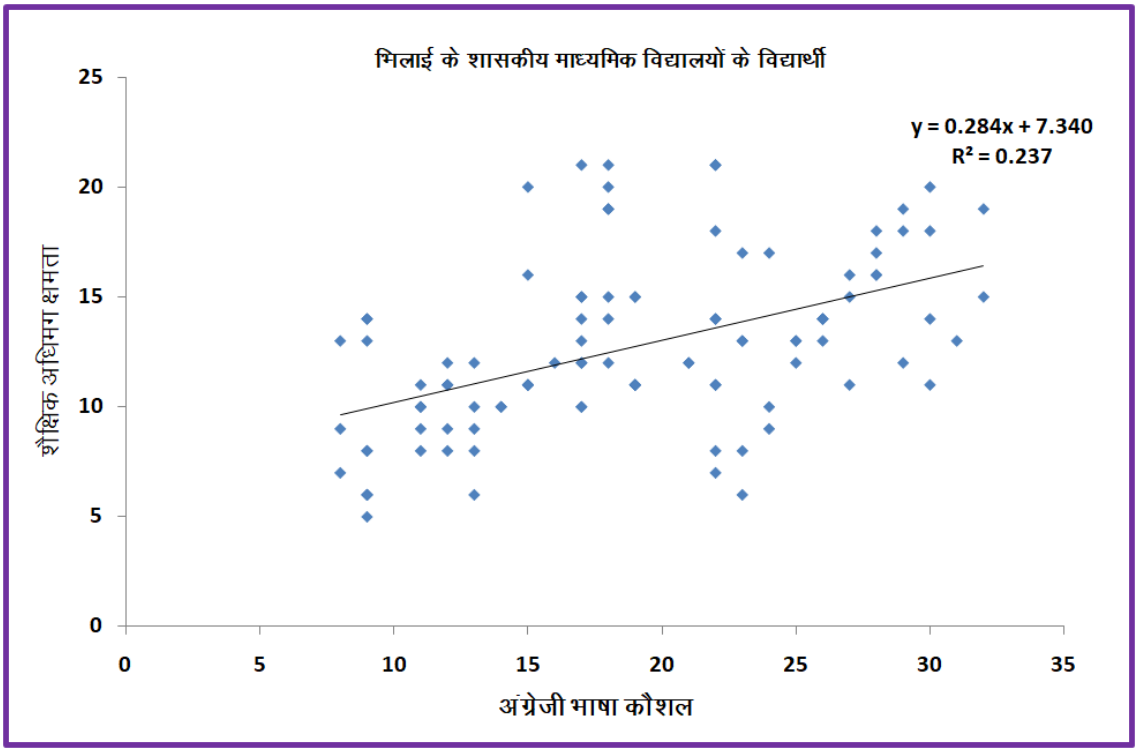

अतः तालिका  में दिये गये परिणाम के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक 2- भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, **अस्वीकार की जाती है ।**

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

**निष्कर्ष** –

1.रायपुर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का सार्थक एवं धनात्मक सहसंबंध उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता के साथ पाया गया जिसका प्रमाण गणना किये गये सहसंबंध गुणांक r = 0.370 है जो कि सांख्यिकीय रूप से .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध था ।

2.भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का सार्थक एवं धनात्मक सहसंबंध उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता के साथ पाया गया जिसका प्रमाण गणना किये गये सहसंबंध गुणांक r = 0.487 है जो कि सांख्यिकीय रूप से .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध था ।

**सुझाव:**

1.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा की सुविधायुक्त माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

2.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा की सुविधायुक्त माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके समग्र रूप से शैक्षिक प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed ( Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 11, 2022

3.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा की सुविधायुक्त माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके आत्म-विश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

4.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा की सुविधायुक्त माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का जातीय पृष्ठभूमि के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन भविष्य में संभव है

5.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा की सुविधायुक्त माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अधिगम क्षमता का जातीय पृष्ठभूमि के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन भविष्य में संभव है ।

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची**

1. कपिल,डॉ.एच.के.2007 "अनुसन्धान विधियाँ"भार्गव बुक हाउस,आगरा.
2. शर्मा, एस.के.2010, "शिक्षा अनुसन्धान के मूलतत्व एवं शोध प्रक्रिया ,आर लाल बुक डिपो, मेरठ .
3. राय, पारसनाथ 2005, "अनुसन्धान परिचय, भार्गव प्रकाशन.
4. सक्सेना, एन.आर. स्वरुप,2011,"शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत",आर.लाल बुक डिपो,मेरठ,
5. राय. डॉ. अमित. कुमार. (2019) "अधिगम एवं शिक्षण अनुसन्धान पब्लिकेशन,
6. भटनागर प्रो. सुरेश 2020, " शिक्षा मनोविज्ञान" श्री विनोद पुस्तक मंदिर, प्रकाशन,